

बडलियास में अवैध बजरी भरे छह ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त, बजरी माफ़िया में हड़कंप

सिफारिश के लिए बजरी माफिया के गुर्गे थाने के बाहर जमा हुए

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ डीएसपी बाबूलाल विश्नोई ने बडलियास थाना क्षेत्र में बजरी माफ़िया पर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बनास नदी से अवैध बजरी खनन कर परिवहन करते 6 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मच गया और बजरी माफ़िया के गुर्गे बडलियास थाने के बाहर सिफारिश के लिए जमा हो गये, लेकिन सफलता नहीं मिली।

पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव के आदेशानुसार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देशन में सूचना के आधार पर जीवाखेड़ा, दोवनी गांव के पास बनास नदी में पुलिस टीम के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान बनास नदी से अवैध खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बजरी भरकर बेड़च नदी की ओर ले



मांडलगढ़ के बडलियास थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध बजरी भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया।

जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने पीछा कर बेड़च नदी की पुलिया के पास छह ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवाकर कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि बडलियास और निकट में चित्तौड़गढ़

जिले के बड़ाखेड़ा की दूरी महज 2 किलोमीटर होने और दो जिलों की सीमा का मामला होने से बड़ाखेड़ा में हजारों टन बजरी के अवैध स्टॉक लगा रखे हैं। बड़ाखेड़ा में बजरी स्टॉक से

सैकड़ों ट्रेलर, डम्पर में बजरी लोडिंग किया जाता है, जो चित्तौड़गढ़ जिले सहित मध्यप्रदेश तक माफ़िया गिरोह बजरी सप्लाई करता है। पुलिस के मुताबिक जब्त बजरी

■ जीवाखेड़ा, दोवनी गांव के पास बनास नदी में पुलिस टीम के साथ सर्च ऑपरेशन में कार्रवाई की

से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बिना नम्बरी हैं, जब्त किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के साथ खनिज और परिवहन विभाग को भी कार्रवाई के लिए सूचित किया गया है। बडलियास थाना क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि बजरी माफ़िया जीवाखेड़ा, दोवनी के पास बनास नदी में बेखौफ होकर अवैध बजरी खनन कर रहा है, रोजाना बजरी भरी सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली बड़ाखेड़ा (चित्तौड़गढ़) जिले ले जाई जा रही हैं, लेकिन बड़ाखेड़ा के स्टॉक पर खनिज विभाग न पुलिस कार्रवाई करती है।

गांजा तस्कर की 2.1 की करोड़ संपत्ति फ्रीज

आरोपी की अब तक 2.29 करोड़ की संपत्ति फ्रीज हुई

जोधपुर, (कासं)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो जोधपुर इकाई ने नशा (गांजा) तस्करी पर अंकुश लगाते हुए एक तस्कर की 2.1 करोड़ की संपत्ति को फ्रीज किया है। नशा तस्करी पर एनसीबी की तरफ से आर्थिक प्रहार किया गया है। उसकी अब तक 2.29 करोड़ की संपत्ति को फ्रीज किया जा चुका है। आरोपी द्वारा छह वाहनों को खरौद नशा कारोबार से की गई। उसके छह वाहनों को जब्त किया गया है।

जोनल के डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जोधपुर क्षेत्रीय इकाई द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त एक कुख्यात गांजा तस्कर की 2,01,49,768 मूल्य की संपत्ति जब्त कर एक उपलब्धि हासिल की गई है। यह कार्रवाई विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू की गई थी। त्वरित एवं

सुनियोजित कार्रवाई करते हुए एनसीबी की टीम ने एक बोल्लेरो पिकअप को मोगड़ा से गुड़ा विश्नोई की ओर जाते हुए रोका। तलाशी के दौरान वाहन के पिछले हिस्से में तिरपाल के नीचे छिपाए गए 71 पैकेट गांजा बरामद किए गए थे। बाद में अभियुक्त के निवास स्थान पर की गई छापेमारी में 99 पैकेट गांजा और बरामद किए गए। कुल 866.600 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। नशा तस्करी के आरोपी ने अवैध राशि से छह वाहनों की खरीद की थी जिसमें एक जेसीबी, एक भारी वाहन, तीन टाटा ट्रक सिंघना और एक बाइक है। इन छह वाहनों का बाजार मूल्य 2,01,49,768 आँका गया है, जिसे अवैध कारोबार से अर्जित बताया गया। जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि अभी तक इस प्रकरण में कुल 2 करोड़ 29 लाख की अवैध संपत्ति की जब्त की जा चुकी है।

नाबालिग से कुकर्म, आबकारी कॉन्स्टेबल गिरफ्तार

अनुपगढ़, (निसं)। 16 वर्षीय नाबालिग के साथ कुकर्म के मामले में आबकारी विभाग के कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी प्रताप सिंह (58) को पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कौशिक ने पाँक्सो कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

घटना सोमवार रात करीब नौ बजे आबकारी कार्यालय में हुई। पीड़ित किशोर ने आबकारी कार्यालय के दो कर्मचारियों पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही एसएचओ ईश्वर प्रसाद जाँगिड़ ने मौके का निरीक्षण किया। पीड़ित के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया

गया। डीएसपी कौशिक ने पीड़ित और आरोपी से पूछताछ की। पूछताछ में मुख्य आरोपी प्रताप सिंह ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी चुरू जिले के ढाढर गांव का रहने वाला है। वह सेना में 16 साल की सेवा के बाद 2012 से अनुपगढ़ आबकारी निरोधक थल में कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत था।

चोरी की वारदात का खुलासा, तीन गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के ग्राम लाडाकाबास की ढाणी खेड़ी में गत दिनों रहवासी घर में चोरी के मामले में प्रागपुरा थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गत 20 मई को रात घर के चौक में सो रही महिला के साथ अज्ञात चोरों ने लूटपाट की। रात करीब 12.55 बजे दो अज्ञात बदमाश घर में घुस कर महिला के गले से सोने का ताबीज और नाक की नथ तोड़कर ले गए थे। पीड़ित महिला श्रवण देवी के पुत्र प्रकाश ने सुबह पुलिस थाना प्रागपुरा ने मामला

दर्ज करवाया। पीड़िता श्रवण देवी (24) उमराव गुर्जर निवासी ग्राम पंचायत लाडाकाबास की ढाणी खेड़ी की पावर ग्रिड के पास थाना प्रागपुरा सोमवार रात पूरे परिवार के सोने के बाद रात 12.55 बजे दो बदमाश मकान का मुख्य द्वार खोलकर घर में घुस गए और चौक में सो रही श्रवण देवी के साथ लूटपाट कर दी। वारदात का खुलासा करते हुए मनोज उर्फ राकेश उर्फ गुल्ला मुकेश कुमार उर्फ लक्की पुत्र रामावतार उर्फ धर्मपाल बावरिया, रॉकी उर्फ आदेश को गिरफ्तार किया।

अचानक आई बारिश के बाद किसान फिर से खेतों में जुटे, उन्नत बीजों की भारी मांग

ओलावृष्टि के जखम अभी भरे नहीं, लेकिन जेठ माह की वर्षा ने किसानों में नई उम्मीद जगा दी

सादलपुर, (निसं)। जेठ के इस तपते महीने में आई अचानक बारिश ने जैसे खेतों में फिर से जीवन भर दिया। किसानों के सूने चेहरे फिर से खिल उठे हैं। जिन खेतों को मार्च में खाली छोड़ दिया गया था, वे अब फिर से तैयार हो चुके हैं।

■ राजस्थान में ऊंटों की घटती संख्या चिंता का विषय बनती जा रही है, वहीं जसवंतपुरा के किसान ऊंट से अपने खेत की बीजाई में जुटे हैं

जानकारी के अनुसार किसान न केवल फिर से सक्रिय हो गए हैं, बल्कि इस बार उन्नत किस्म के बीजों की खरीदारी में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। जो सरसों हैं, वो गईं... अब इस बार मोटा अनाज ही उम्मीद है। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2025 की वो शाम जब आसमान से ओले बरसे थे, आज भी गांवों के किसानों के मन में ताजे हैं। सरसों की तैयार खड़ी फसल को



बरसात के चलते नीमा गांव की रोही में ऊंट से खेत के बिजाई करता किसान।

ओलावृष्टि ने ऐसा मारा कि न केवल दाना चोपट हुआ, बल्कि किसान का हौसला भी टूट गया था। खेतों में खामोशी छा गई थी, और हर आंख मुआवजे की आस में टिकी थी जो अब तक पूरी नहीं हुई है।

ऊंट की वापसी बनी चर्चा का विषय:- राजस्थान में ऊंटों की घटती संख्या चिंता का विषय बनती जा रही है। जसवंतपुरा के किसान अर्जुन लाल

प्रजापत ने ऊंट से अपने खेत की बीजाई में जुटे हैं। वे बताते हैं कि उनके पिता और दादा भी ऊंट से ही खेत तैयार करते थे, और आज भी यह परंपरा जिंदा है।

खेतों में फिर से जान, बाजारों में बीज की धूम :-नीमा की कृषि दुकानों पर पिछले दो दिनों से किसानों की भीड़ लगी हुई है। विशेष रूप से हाइब्रिड बाजरा, रिसर्च बीज की मांग

बढ़ी है। किसान मानते हैं कि यदि वर्षा इसी तरह साथ देती रही, तो पिछली हानि को कुछ भरपाई इस खरीफ से की जा सकती है। एक तरफ ओलावृष्टि की पीड़ा अब भी किसानों के मन में है, दूसरी ओर जेठ माह की बारिश ने उन्हें नई ऊर्जा दी है। अगर अब सरकार समय पर बीज, मुआवजा और तकनीकी सहयोग दे, तो किसान फिर से उभर सकते हैं।

मानसून पूर्व आनासागर झील के गेट आज खुलेंगे

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले में मानसून सक्रिय से पूर्व जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आनासागर झील के पानी का जलस्तर 13 फीट से घटाकर 10 फीट करने के लिए शुक्रवार सुबह 10 बजे झील के गेट खोले जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा आगामी दिनों में मानसून में भारी बारिश के मद्देनजर झील में सहित आस-पास की कॉलोनियों में जलभराव की समस्या से बचाव के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर लोकबन्धु की अध्यक्षता में जिला प्रशासन, नगर निगम, सिंचाई विभाग और एडीए के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में फैसला लिया गया कि झील के डाउन स्ट्रीम क्षेत्रों में बसे निवासियों को जल निकासी की पूर्व सूचना देने के लिए नगर निगम को मुनादी कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बारिश के

■ प्रशासन ने जलस्तर 13 फीट से घटाकर 10 फीट करने का निर्णय लिया

दौरान पानी की अधिक आवक होने की स्थिति में नगर निगम एवं अजमेर विकास प्राधिकरण को सुरक्षा गार्ड की विशेष व्यवस्था करने के आदेश दिए गए हैं। झील के गेट संचालन की जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग को सौंपी गई है। गौरतलब है कि शहर के अधिकांश नालों का पानी सीधे आनासागर झील में पहुंचता है, जिससे पूरे वर्ष जलस्तर 13 फीट के आसपास बना रहता है। मानसून में तेज बारिश होने पर झील के किनारे बसी कॉलोनियों में पानी भरने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। पिछले वर्ष भी गेट खोलकर पानी की निकासी की गई थी।

इनामी बदमाश गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले में वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर टीम जोधपुर ग्रामीण राममूर्ति जोशी ने बताया कि बिलाड़ा थाने में पिछले सात साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश रवि उर्फ रविंद्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी तिलवासीना का रहने वाला है और रामस्वरूप उर्फ मेहताराम का पुत्र है। पकड़े गए बदमाश को अट्ठाम अनुसंधान के लिए बिलाड़ा थाने को सौंप दिया गया है। गिरफ्तारी में साइबर टीम के कॉन्स्टेबल रामचंद्र सिंह, पुष्कराज, सेठाराम, किशोर दुकतावा और प्रकाशचंद्र शामिल रहे। जिला पुलिस अधीक्षक ने टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

संस्कार और संस्कृति से ही संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और भविष्य सुरक्षित : राज्यपाल बागड़े

“विधानसभा कल, आज और कल” विषय पर मेवाड़ से संबद्ध विधानसभा अध्यक्ष समागम कार्यशाला आयोजित

उदयपुर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं। मर्यादाओं में निर्रसंदेह कुछ गिरावट आई है, लेकिन हमारे संस्कार और संस्कृति इतनी समृद्ध हैं कि संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और भविष्य दोनों सुरक्षित हैं। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि राजस्थान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के तत्वावधान में एक होटल में आयोजित “विधानसभा कल, आज और कल” विषयक मेवाड़ से संबद्ध विधानसभा अध्यक्ष समागम कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने की। पूर्व अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, शांतिलाल चपलोट और डॉ. सीपी जोशी बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे।

समारोह को संबोधित करते हुये राज्यपाल बागड़े ने कहा कि पहले सदन में विषय पर अधिक चर्चा होती थी, अब विषयान्तर अधिक होने लगी है। विधेयक पर बहस में जनप्रतिनिधि रूचि से भाग नहीं लेते, जबकि उस पर तथ्यात्मक बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन में अलग-अलग विचारधारा के लोग होते हैं, इसके बावजूद पहले उममें आपस

में एक दूसरे के प्रति सम्मान भाग होते थे, लेकिन अब कटुता अधिक रहती है। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजनीतिक विचारधारा भले ही अलग हो, लेकिन सभी जनप्रतिनिधियों का ध्येय जन कल्याण पर केंद्रित होना चाहिए। बागड़े ने कहा कि राजस्थान विधानसभा संचालन उत्कृष्ट रूप से हो रहा है। कार्यक्रम में उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, महाराणा प्रताप कृषि एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अजीत कर्नाटक, जनार्दन राय नागर विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. एसएस सांगदेवोत, पूर्व कुलपति डॉ. आई वी त्रिवेदी सहित शिक्षाजगत से जुड़े कई प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। अंत में आभार वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र के सभी राज्यों के सदनों में सर्वश्रेष्ठ हैं। विधानसभा की कार्यवाही को वृद्ध्युव चैनल के माध्यम से प्रदेश की 8 करोड़ जनता



वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के तत्वावधान में एक होटल में आयोजित कार्यशाला को राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया।

सीधे देख सकती है। इससे सदस्यों के आचरण व व्यवहार में सुधार आएगा तथा पारदर्शिता भी कायम हो रही है। राजस्थान विधानसभा पेपरलैस हो रही है। सभी विधायकों को आईपैड दिए हैं तथा पहली बार में ही 70 प्रतिशत से अधिक विधायकों ने इसका उपयोग करते हुए पेपरलैस वर्क की अपनया। देवनानी ने कहा कि सदन का अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए पीठासीन अधिकारी को सख्त होना

पड़ता है, लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं कि आसन पर ही सवाल उठाए जाने लगे। उन्होंने पीठासीन अधिकारी की तुलना मां से करते हुए कहा कि जिस प्रकार मां से बच्चे की हरकतों से परेशान होकर उसे घर से चले जाने के लिए कह देती हैं, लेकिन उसके वापस नहीं लौटते तक उसके गले से निवाला नहीं उतरता है, ऐसा ही आसन के साथ भी है। सदन के सभी सदस्य उसका परिवार है, इसलिए सदस्य को वापस बुलाया जाता

है, उसके लिए पक्ष-विपक्ष दोनों से चर्चा की जाती है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि समय के साथ सभी चीजों में बदलाव हुआ है। सकारात्मक बदलावों का स्वागत है, लेकिन विधेयक पर स्वस्थ चर्चा में कमी आना ठीक नहीं है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोट ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की अवधारणा प्राचीनकाल से चली आ रही है। भगवान श्री राम का

■ राजस्थान विधानसभा आज देश के सभी राज्यों के सदनों में सर्वश्रेष्ठ हैं : देवनानी

दौर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। भगवान ऋषभदेव, महावीर स्वामी के दौर में भी यही व्यवस्था थी। वर्तमान संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली में विधायिका महत्वपूर्ण घटक है। यह विधान निर्माण के साथ ही कार्यपालिका के कामकाज को भी नियंत्रित करती है। पहले के दौर में विधायिका का माहौल देखने योग्य था, अब इसमें गिरावट आई है। विधायी कार्यों में भी कमी आई है। जनप्रतिनिधियों के आचरण में गिरावट आई है। जनप्रतिनिधि रिश्तलेते पकड़े जा रहे हैं, यह दौर कहाँ ले जाएगा यह सोचने वाली बात है। चपलोट ने राजस्थान में द्विसदनीय व्यवस्था पर भी जोर दिया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना से बात प्रारंभ करते हुए कहा कि संसदीय लोकतंत्र की मूल भावना प्रस्तावना में निहित है।